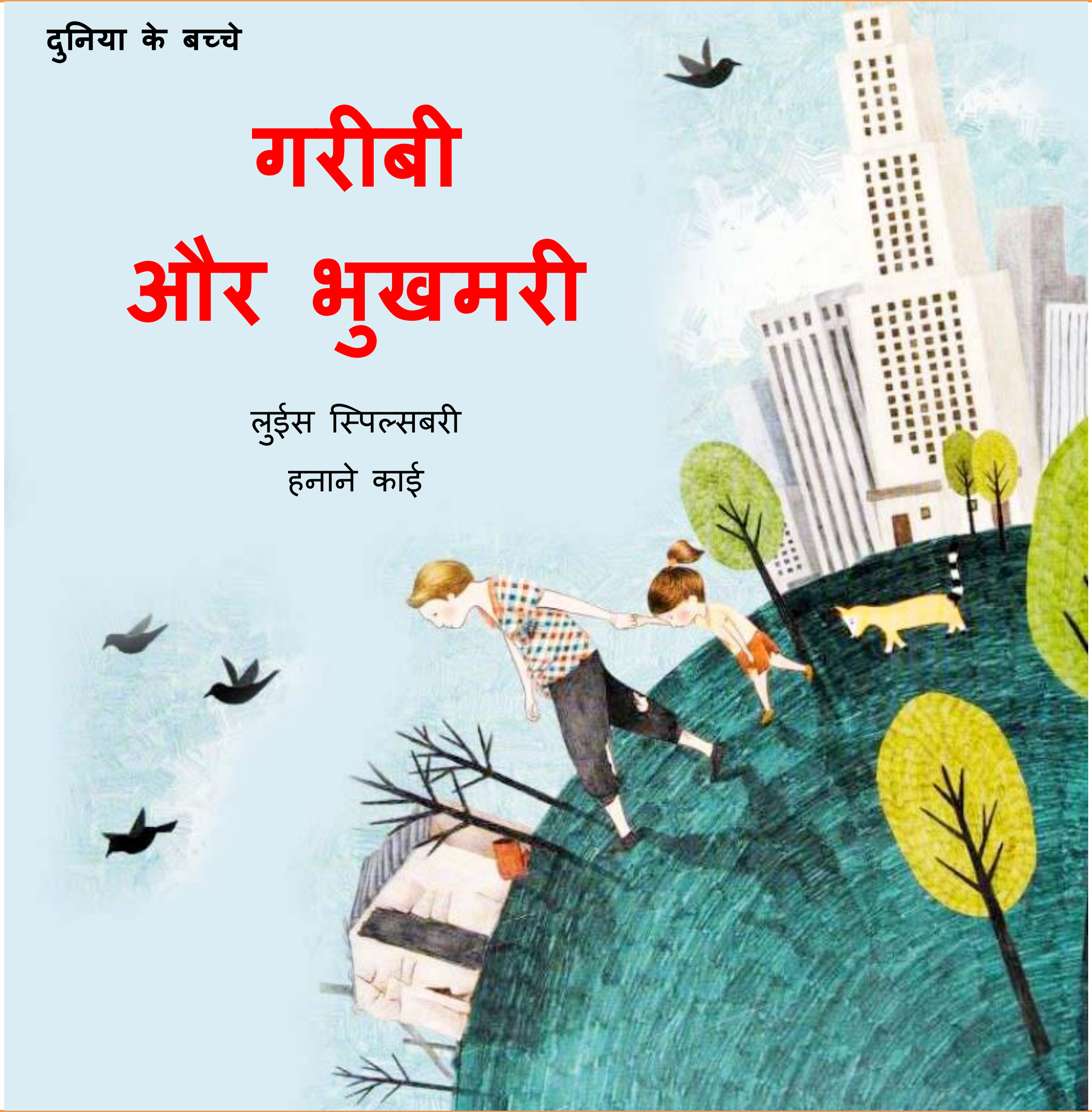
दुनिया के बच्चे

गरीबी और भुखमरी

लुईस स्पिल्सबरी

हनाने काई









गरीबी और भुखमरी

लुईस स्पिल्सबरी
हनाने काई







विषयवस्तु

गरीबी और भुखमरी

गरीब और भूखे कौन हैं?

लोग, गरीब और भूखे क्यों होते हैं?

युद्ध की कीमत

प्राकृतिक आपदाएं

स्वास्थ्य समस्याएं

बच्चों पर गरीबी का असर

मदद करने वाले लोग

किसानों की मदद करना

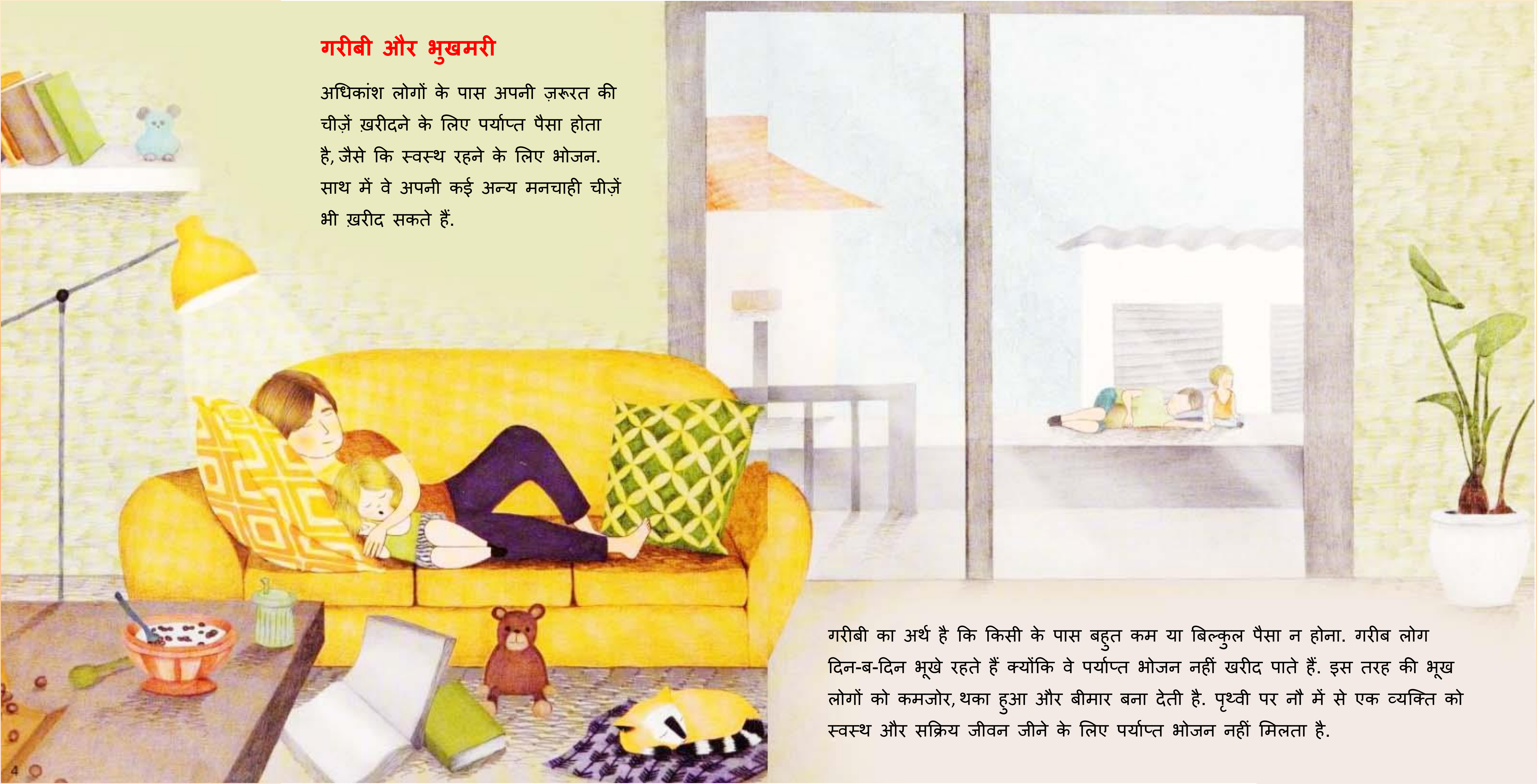
स्वास्थ्य सुधार

स्कूल कैसे मदद कर सकते हैं?

इसके बारे में बात करें

आप कैसे मदद कर सकते हैं?





गरीबी और भुखमरी

अधिकांश लोगों के पास अपनी ज़रूरत की चीज़ें ख़रीदने के लिए पर्याप्त पैसा होता है, जैसे कि स्वस्थ रहने के लिए भोजन. साथ में वे अपनी कई अन्य मनचाही चीज़ें भी ख़रीद सकते हैं.

गरीबी का अर्थ है कि किसी के पास बहुत कम या बिल्कुल पैसा न होना. गरीब लोग दिन-ब-दिन भूखे रहते हैं क्योंकि वे पर्याप्त भोजन नहीं खरीद पाते हैं. इस तरह की भूख लोगों को कमजोर, थका हुआ और बीमार बना देती है. पृथ्वी पर नौ में से एक व्यक्ति को स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं मिलता है.

गरीब और भूखे कौन हैं?

दुनिया के सबसे गरीब परिवार विकासशील देशों में रहते हैं. इन देशों में ज्यादातर लोगों के पास बहुत कम पैसा होता है. बहुत से लोगों के पास भोजन, साफ पानी, कपड़े, दवाई और घर खरीदने के लिए प्रतिदिन 2-डॉलर से भी कम पैसे होते हैं.

अन्य देशों में भी गरीब और भूखे लोग होते हैं. गरीबी और भुखमरी कई कारणों से होती है. वे कारण अक्सर लोगों के नियंत्रण से बाहर होते हैं.



लोग, गरीब और भूखे क्यों होते हैं?

भूखे लोगों में से करीब तीन-चौथाई अपने भोजन के लिए खेती पर निर्भर होते हैं. अक्सर उनके पास भोजन उगाने के लिए ज़मीन, उपकरण, बीज और खाद खरीदने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता है. अगर बारिश न हो, तो फसलें और खेती के जानवर मर जाते हैं. खाने के लिए भोजन के अभाव में, लोग भूखे रहते हैं.

कभी-कभी लोग गरीब इसलिए भी होते हैं क्योंकि जिन उद्योगों और कारखानों में वे काम करते थे वे किसी कारण से बंद हो जाते हैं. अक्सर उन्हें अपने काम के लिए उन्हें बहुत कम वेतन मिलता है. कुछ लोगों विकलांगता के कारण भी काम नहीं कर पाते हैं. और यदि परिवार मे पैसा कमाने वाले व्यक्ति मर जाता है, तो परिवार के बाकी लोगों को भूखा रहना पड़ सकता है.



युद्ध की कीमत

युद्ध भी लोगों को गरीब और भूखा बनाता है. युद्ध के दौरान कुछ लोगों को जंग मे लड़ना पड़ता है. तब वे पैसा कमाने के लिए काम नहीं कर पाते हैं. युद्ध मे अक्सर खेतों को जला दिया जाता है और जानवरों को मार डाला जाता है. खेतों पर कभी-कभी बम भी गिराए जाते हैं. उसके कारण किसान वर्षों तक अपनी जमीन पर खेती नहीं कर पाते हैं.

युद्ध के कारण कभी-कभी लोगों को अपना घरबार छोड़ना पड़ता है. वे शरणार्थी की हालत मे किसी नए और सुरक्षित स्थान के लिए पलायन करते हैं. लेकिन नई जगह पर उनके पास न तो घर होता है और न ही नौकरी. इसलिए वे अपने भोजन या आश्रय के लिए पैसा नहीं कमा पाते हैं.



प्राकृतिक आपदाएं

प्राकृतिक आपदाएँ भी गरीबी और भुखमरी का कारण बनती हैं, और ये आपदाएं कहीं भी आ सकती हैं. बाढ़ अक्सर खेतों को पानी से ढक देती है, और फसलों को नष्ट कर देती है. फिर बहुत समय तक किसान भोजन नहीं उगा पाते हैं. तूफान, घरों और दुकानों को नष्ट कर देते हैं, जिससे लोग बेघर और भूखे रह जाते हैं.

हमारी दुनिया लगातार गर्म हो रही है. ग्लोबल-वार्मिंग अधिक सूखे और अन्य प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन रही है. जब फसलें बर्बाद होती हैं, तो फिर खाद्य पदार्थों की कमी हो जाती है. उससे खाने के दाम बढ़ते हैं. उससे दुनिया भर में और अधिक लोग भूखे रहते हैं.





स्वास्थ्य समस्याएं

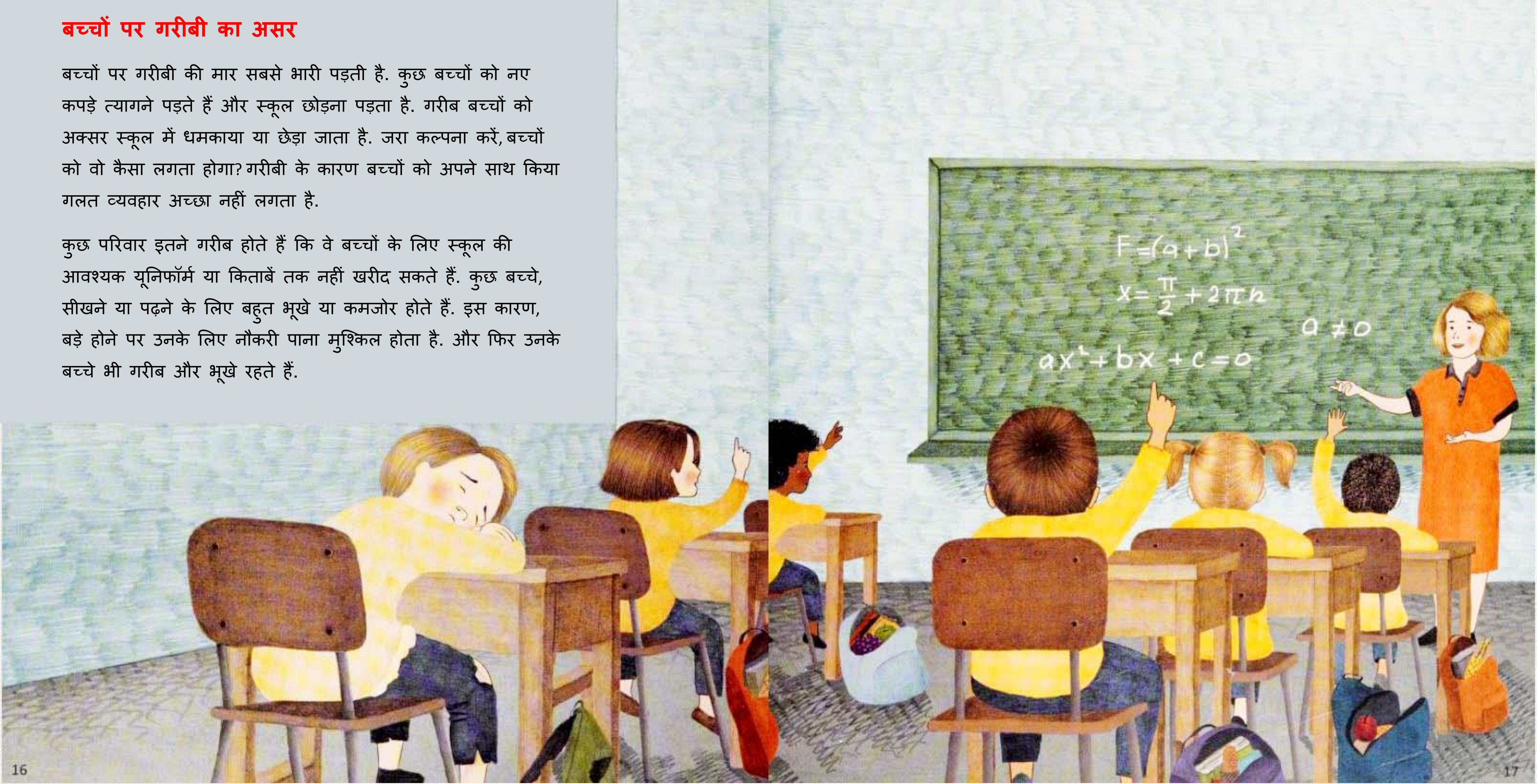
अधिकांश लोगों के पास एक गर्म, सुरक्षित घर में रहने के लिए पर्याप्त पैसा होता है. उनके पास पीने, धोने और पकाने के लिए साफ पानी होता है. वे बीमार होने पर डॉक्टरों को दिखाकर दवाई खरीद सकते हैं.

पर गरीब लोग टूटे-फूटे और ठंडे घरों में रहते हैं. अक्सर उनके पास कोई भी घर नहीं होता है और वे सड़कों पर सोते हैं. घर, भोजन या साफ पानी के अभाव में लोग बीमार पड़ जाते हैं. जब वे बीमार पड़ते हैं, तो वे अक्सर डॉक्टर या दवा का खर्च नहीं उठा पाते हैं.

बच्चों पर गरीबी का असर

बच्चों पर गरीबी की मार सबसे भारी पड़ती है. कुछ बच्चों को नए कपड़े त्यागने पड़ते हैं और स्कूल छोड़ना पड़ता है. गरीब बच्चों को अक्सर स्कूल में धमकाया या छेड़ा जाता है. जरा कल्पना करें, बच्चों को वो कैसा लगता होगा? गरीबी के कारण बच्चों को अपने साथ किया गलत व्यवहार अच्छा नहीं लगता है.

कुछ परिवार इतने गरीब होते हैं कि वे बच्चों के लिए स्कूल की आवश्यक यूनिफॉर्म या किताबें तक नहीं खरीद सकते हैं. कुछ बच्चे, सीखने या पढ़ने के लिए बहुत भूखे या कमजोर होते हैं. इस कारण, बड़े होने पर उनके लिए नौकरी पाना मुश्किल होता है. और फिर उनके बच्चे भी गरीब और भूखे रहते हैं.





मदद करने वाले लोग

कुछ दान या स्वयंसेवी संस्थाएं ज़रूरतमंद परिवारों और बच्चों की मदद करती हैं. कुछ जगहों पर, धर्मार्थ कार्यकर्ता खाद्य-बैंक चलाते हैं. लोग भोजन के पैकेट दान देते हैं और लंगर आयोजित करते हैं ताकि वहाँ आकर गरीब लोग खाना खा सकें.

कुछ स्वयंसेवी संस्थाएं लोगों को जीवन बदलने में उनकी मदद करती हैं. विकासशील देशों में, वे कारीगरों को उपकरण और ट्रेनिंग, और मछुआरों को नावें देते हैं ताकि लोग काम करके अपनी आजीविका चल सकें. ये संस्थाएं लोगों को व्यवसाय शुरू करने में भी मदद करती हैं. ये संस्थाएं लोगों को गरीबी के बारे में बताती हैं ताकि वे अन्य जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए धन जुटा सकें.

किसानों की मदद करना

कुछ दान संस्थाएं और सरकारें, किसानों को उपकरण, मशीनें और बीज खरीदने के लिए कर्ज देती हैं. वे किसानों को बेहतर फसल उगाने के लिए उर्वरकों के समुचित उपयोग के बारे में भी ट्रेनिंग देती हैं.

जब किसान की फसल अच्छी होती है, तो उसके पास खाने और बेचने के लिए अधिक अनाज होता है. उससे किसान परिवार के पास ज्यादा पैसे बचते हैं. वे उस पैसे को स्कूल की किताबों, कपड़ों, दवाओं और अन्य उपयोगी चीजों पर खर्च कर सकते हैं.



स्वास्थ्य सुधार

सभी को स्वस्थ रहने के लिए साफ पानी की जरूरत होती है. विकासशील देशों में, कुछ स्वयंसेवी संस्थाएं और सरकारें भी लोगों की कुएँ खोदने और पंप लगाने में मदद करती हैं, ताकि लोगों को साफ़ पानी मिल सके. ये संस्थाएं शौचालय बनाने में भी मदद करती हैं, जिससे लोग बीमारियों से बचते हैं.

कुछ स्वयंसेवी संस्थाएं लोगों के लिए निशुक्ल दवाखाने और अस्पताल चलाती हैं. वे लोगों की सेवा के लिए नर्सों और डॉक्टरों को नियुक्त करती हैं और मुफ्त में दवाइयाँ देती हैं. वे यह सुनिश्चित करती हैं कि शिशुओं के स्वास्थ्य की सही जांच हो. जब बच्चे स्वस्थ रूप से बड़े होंगे तभी वे बड़े होकर अधिक स्वस्थ रहेंगे.

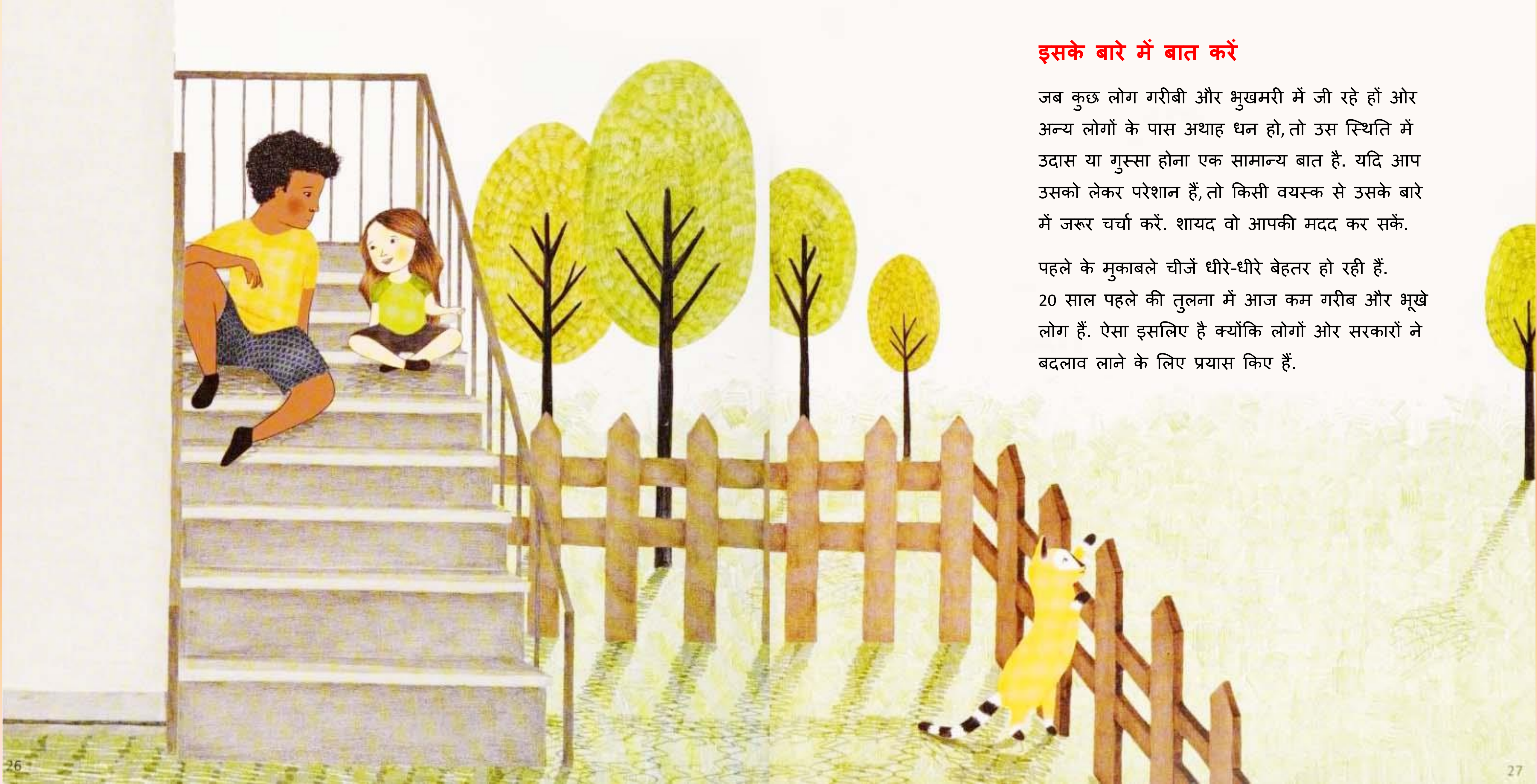


स्कूल कैसे मदद करते हैं

अगर बच्चे का पेट भूखा हो तो उसके लिए कुछ भी सीखना मुश्किल होगा. कबीर ने कहा था: कि भूखे पेट तो भजन भी नहीं होता है. भूख के कारण कक्षा में ध्यान देना और चीजों को याद रखना मुश्किल हो जाता है. स्कूल बच्चों को मुफ्त में खाना दे सकता है. उससे बच्चे अच्छी तरह से पढ़ेंगे.

विकासशील देशों में सरकारें स्कूल बनवाकर और शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर लोगों और बच्चों की मदद करती हैं. उससे और अधिक बच्चों को सीखने का मौका मिलता है. शिक्षित बच्चों के लिए बेहतर वेतन वाली नौकरी पाना आसान होता है. फिर बड़े होने पर उनके लिए गरीबी से बचना भी आसान हो जाता है.





इसके बारे में बात करें

जब कुछ लोग गरीबी और भुखमरी में जी रहे हों ओर अन्य लोगों के पास अथाह धन हो, तो उस स्थिति में उदास या गुस्सा होना एक सामान्य बात है. यदि आप उसको लेकर परेशान हैं, तो किसी वयस्क से उसके बारे में जरूर चर्चा करें. शायद वो आपकी मदद कर सकें.

पहले के मुकाबले चीजें धीरे-धीरे बेहतर हो रही हैं. 20 साल पहले की तुलना में आज कम गरीब और भूखे लोग हैं. ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों ओर सरकारों ने बदलाव लाने के लिए प्रयास किए हैं.



आप कैसे मदद कर सकते हैं?

दूसरे लोगों की मदद करने से आपको खुशी मिलेगी. आप बहुत कुछ कर सकते हैं. आप अपने पुराने खिलौने, किताबें, कपड़े या अन्य सामान किसी स्वयंसेवी संस्था को दान कर सकते हैं. आप अपना बचा हुआ खाने खाना किसी फूड-बैंक या अनाथालय को दे सकते हैं. आप ऐसी दान संस्थान के लिए जो दुनिया भर में गरीब और भूखे लोगों की मदद करती हो, के लिए चंदा इकट्ठा कर सकते हैं. आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?